

## अव्यय : क्रिया विशेषण

क्रिया विशेषण का पद परिचय देते समय निम्नलिखित पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए :--

1. भेद

2. उपभेद

3. विशेष्य-क्रिया का निर्देश।

# उदाहरण



1. रोज सवेरे-क्रिया विशेषण, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'टहलती है' क्रिया का विशेषण

2 .धीरे धीरे-क्रिया विशेषण, रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'टहलती है' क्रिया की विशेषता बताता है।

वीणा रोज सवेरे धीरे-धीरे टहलती है।



# अव्यय : समुच्चयबोधक (योजक)

समुच्चयबोधक का पद परिचय देते समय निम्नलिखित पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए :--

1.भेद

2.उपभेद

3.संयुक्त शब्द अथवा वाक्य

# उदाहरण

1. देवजानी और श्रेयांश भाई-बहन हैं।

और - समुच्चयबोधक अव्यय,  
समाधिकरण योजक,  
'देवजानी' और 'श्रेयांश' शब्दों  
को मिला रहा है।



2. सभी लड़कियाँ खाती हैं  
जबकि पल्लवी बचाती है।

\*जबकि- समुच्चयबोधक अव्यय, व्यधिकरण योजक,  
'सभी लड़कियाँ खाती हैं', तथा 'पल्लवी बचाती है'  
दो वाक्यों को मिला रहा है।



## अव्यय : संबंधबोधक.

संबंधबोधक का पद परिचय देते समय निम्नलिखित  
पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए।

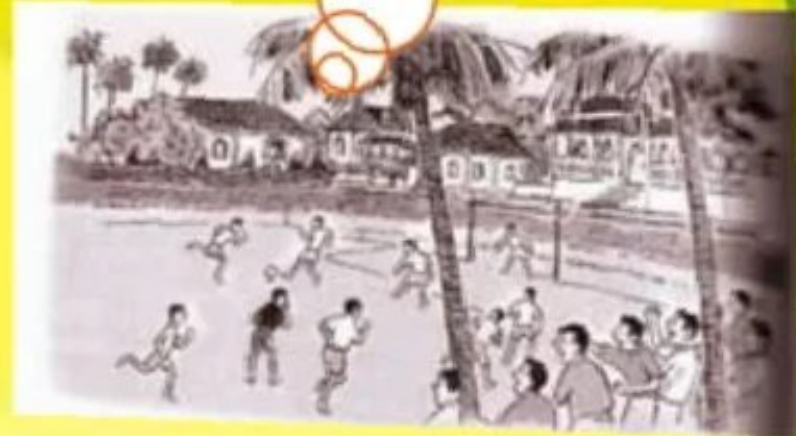
1. भेद

2. पदों/पदबंधों/वाक्यांशों से संबंध का निर्देश

# उदाहरण

\* के पीछे - संबंधबोधक  
अव्यय, स्थानवाचक,  
'विद्यालय' का संबंध अन्य  
शब्दों से जोड़ने वाला।

1. हमारे विद्यालय  
के पीछे खेल का  
मैदान है।



2. चोट के कारण दिव्या  
सो भी नहीं पा रही है ।



\* के कारण- संबंधबोधक  
अव्यय, कारण सूचक, 'चोट' का  
संबंध अन्य शब्द से जोड़ता  
है।



## अव्यय : विस्मयादिबोधक

1. भेद

2. उपभेद



3. सूचक-भाव



# उदहारण

1. शाबाश ! बिट्टू ने तो कमाल कर दिया।



- ▶ \* शाबाश ! - अव्यय ,  
विस्मयादिबोधक - अव्यय  
हर्ष सूचक ।





\*.हाय ! -अव्यय,  
विस्मयादिबोधक, शोक सूचक ।

2 .हाय ! बाढ़ ने तो सब कुछ डूबो दिया।